Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding facilitating SC/ST students to pursue education in foreign countries.

डॉ. (प्रो.) किरिट प्रेमजीभाई सोलंकी (अहमदाबाद पश्चिम): माननीय सभापति महोदय, जिस प्रकार वड़ोदरा के महाराजा सयाजीराव गायकवाड़ जी ने बाबा साहब अम्बेडकर को विदेश में शिक्षा अर्जन के लिए शिष्यवृत्ति दी थी, जिससे बाबा साहब की प्रतिभा और भी निखर के बाहर आई थी । उसी प्रकार मेरा निवेदन है कि भारत सरकार को अनुसूचित जाति / जनजाति के छात्रों के लिए विदेश में शिक्षा प्राप्ति हेतु शिष्यवृत्ति योजना शुरू करनी चाहिए । इस योजना के तहत शिक्षा प्राप्ति हेतु कम ब्याज दर (4%) पर 30 लाख रुपए शिष्यवृत्ति देनी चाहिए । शिक्षा प्राप्ति के बाद रोजगार मिलने पर शिष्यवृत्ति की राशि को मासिक किश्तों के हिसाब से 5 वर्षों में वापस करनी होगी । विश्वास है कि सफल होकर छात्र नये आयाम स्थापित करते हुए राष्ट्र-निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे ।